>

Title: Need to address the problem of floods in Poorvanchal regions of Uttar Pradesh and northern parts of Bihar.

श्री गोरख प्रसाद जायसवाल (देवरिया): सभापति महोदय, ज़ीरो ऑवर में आपने मुझे बोलने का मौका दिया जिसके लिए मैं आपका बहुत धन्यवाद करता हूं। उत्तर प्रदेश के पूर्वान्चल इलाकों में विशेषकर मेरे संसदीय क्षेत्र देवरिया में पड़ने वाली नदियों के पास के गांव हर बार बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं और मेरे संसदीय क्षेत्र के दूसरे जिले कुशीनगर में इस बार बाढ़ का भीषण कहर रहा है। पूर्वान्चल में और बिहार के उत्तरी हिस्सों में हर साल की तरह इस बार भी बाढ़ से कई अरबों रुपये की फसल नष्ट हो गई है और सैकड़ों पशु मारे गए हैं तथा लोगों की जानें भी जाती हैं। बाढ़ से गांव के गांव बह जाते हैं और नदियों के किनारों पर कटाव होता है जिसके कारण लोगों के खेत इधर से उधर हो जाते हैं। इस कारण से लोगों में कई झगड़े होते हैं। इन कटाव से बंजर भूमि का क्षेत्रफल हर साल बढ़ जाता है जिससे लोगों का रहन सहन तथा बच्चों के विकास एवं पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

मेरे संसदीय क्षेत्र के नारायणी नदी के समीप स्थित जमीन पर कटाव बड़ी मात्रा में हो रहा है। सदन के माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि चाहे पूर्वान्चल हो या बिहार हो और चाहे उत्तर प्रदेश के क्षेत्र हों, बाढ़ से बचाव करने की योजना तीन महीने के पहले बननी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता है। बाढ़ के वक्त सहानुभूति केवल दिखावा मात्र है तथा इस तरह से जनता केवल भ्रमित रहती है और यह सरकारी पैसों की बर्बादी मात्र है। बाढ़ के समय पानी का बहाव एवं कटान जोरों पर रहता है जिससे राहत कार्य संतोषजनक नहीं हो पाता है। इसलिए सदन के माध्यम से मेरा सुझाव है कि पानी का उपयोग पनबिजली सृजन में किया जाए जिससे पूरे क्षेत्र में यू.पी. और बिहार में बिजली की कमी को पूरा करने में सहयोग मिलेगा।